13

dfork l i<kb

Lugyrk *

अपनी लय और तुकबंदी के कारण कविता बच्चों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। इस कविता का उपयोग भाषा ही नहीं अपितु अन्य विषयों को सिखाने के लिए भी किया जा सकता हैं कैसे? जानने के लिए पढ़िए यह लेख।

प्राणिजगत् का वर्गीकरण (classification of Animal Kingdom) जीव विज्ञान का पहला पाठ है। जो देश भर के सभी विद्यालयों में छठवीं कक्षा में पढ़ाया जाता है। यह पाठ याद करना बच्चों को काफ़ी कठिन लगता है, क्योंकि इसमें फाइलम के क्रमानुसार उनके लक्षण, उदाहरण याद करना मुश्किल होता है। मैं स्वयं जब छोटी थी, तब मुझे भी इस पाठ को समझने तथा याद करने में काफ़ी कठिनाई हुई थी। जब मेरा बेटा पाँचवीं कक्षा में आया तब भी यह पाठ उसके कोर्स में था। मेरे मन में विचार आया कि क्यों न कुछ ऐसा लिख दिया जाए कि बच्चों को यह पाठ आसानी से याद हो जाए और इसलिए मैंने संपूर्ण पाठ को कविता के रूप में लिखने का विचार किया। कविता बच्चों को आसानी से याद हो जाती है, क्योंकि उसमें गेयता और लयात्मकता होती है। इसमें प्राणिजगत् का बँटवारा (classification of Animal Kingdom) कर उसको सरल भाषा में समझाने का प्रयास किया है जैसे – रीढ़ वाले सारे प्राणी वर्टीब्रेट होते हैं और बिना रीढ़ के प्राणी इनवर्टीब्रेट कहलाते हैं। उसके बाद उनके वर्ग (phylum), भेद वर्ग (Class), लक्षण (characteristics), को उदाहरण (example) के साथ कविता के रूप में लिखा है। इसमें वर्टीब्रेट के सभी पाँच फाइलम तथा इनवर्टीब्रेट के सभी नौ फाइलम

वर्टीब्रेट – 1. पिसीज़ 2. एम्फीबिया 3. रैप्टीलिया 4 एवीज़ 5. मेमीलिया, **इनवर्टीब्रेट**– 1. प्रोटोजोआ 2. पोरीफेरा 3. सीलनटेटा 4. प्लैटीहैलमिंथज़ 5. नीमेटोडा 6. एनीलिडा 7. आॅर्थोपोडा 8. मोलस्का 9. इकीनोडर्मेटा।

फाइलम के नाम अँग्रेज़ी में रखे हैं जिससे हिंदी तथा अँग्रेज़ी दोनों मीडियम के बच्चे आसानी से खेलकूद में ही समझ सकें।

* 1/309, विकासनगर, लखनऊ, उत्तरप्रदेश (उ.प्र.)

प्राणिजगत् का वर्गीकरण

प्राणिजगत् के बँटवारे की बच्चों कथा सुनाऊँ
उनके वर्ग, भेद, लक्षण उदाहरण सहित समझाऊँ।

सारे प्राणिजगत् को दो वर्गों में बाँटा जाता
रीढ़ और बेरीढ़ बने होने से अंतर आता।

जिनके होती रीढ़ सभी वह वर्टीब्रेट कहाए
इनवर्टीब्रेट कहलाए बिना रीढ़ जो आए।

बिना रीढ़ के बने सभी फिर भी अंतर था भारी
नौ भागों में रखने की इसलिए हुई तैयारी।

एक कोश के सारे प्राणी प्रोटाजोआ कहलाए
पैरामीशियम और अमीबा इसके अंदर आए।

जिनकी देह बनी छिद्रों की पोरीफेरा होते
साइकोन, स्पंज समुंदर के अंदर ही सोते ।

सीलनट्रेटा का मतलब है पेट सिलिंडर जैसा
बिना हाथ सिर्फ मूंछ का हाइड्रा लगता कैसा।

चपटी काया पाने से प्लैटीहैलमिंथज कहाए
टेपवर्म, टीनिया, सोनियम कीड़े इसमें आए।

धागे जैसे पतले कीड़े नीमेटोडा कहते
एस्केरिस, हुकवर्म पेट के कीड़े इसमें रहते।
जोंक, केंचुए ने छल्लों वाली काया को पाया
इसीलिए इनका फाइलम एनीलिडा कहलाया।

ऑर्थोपोडा का मतलब है जोड़ों वाली टाँगें
टिड्डे, तितली, काकरोच यह पूरी करते माँगें।

कोमल काया ढँकी शैल से वह प्राणी मोलस्का
अजब तमाशा, घोंघे, सीपी, शँख, आक्टोपस का।

काँटो वाली त्वचा रखें इकीनोडर्मा उनको कहते
सी अर्चिन, सितारा मछली मारे से न मरते।

पाँच भाग में फिर वर्टीब्रेट को हैं बाँटा जाता
पिसीज, एंफीबिया, रेप्टाइल, एवीज, मेमीलिया आता।

सब मछली पिसीज वर्ग में साँस गिलों से लेतीं
पानी के अंदर रहकर भी पानी कभी न पीतीं।

एंफीबिया रहें जो पल में, जल में, थल में
मेंढक, टोड, हाइला बदलें देखों घर पल-पल में।

रैप्टाइल होते जो प्राणी रेंग-रेंग चल पाएँ
साँप, छिपकली, डाइनोसारस कैसे धूम मचाएँ।

एवीज रखें पर सुंदर कोमल हल्की होती काया
मोर, कबूतर, तोते, चिड़ियों ने सबका दिल लुभाया।

मेमीलिया वर्ग के अंदर प्राणी स्तनधारी
मानव, हाथी, शेर, गाय के आने की तैयारी।

प्राणिजगत् का यह बँटवारा पढ़ो और दोहराओ
अपनी कक्षा में सबसे अच्छे नंबर लाओ।

❑❑❑